विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय
नीतू कुमारी ,वर्ग -चतुर्थ ,विषय- हिंदी ,दिनांक--17-04-2021.  एन.सी.आर.टी पर आधारित

पाठ -1

सुप्रभात बच्चअॅ,
आज की कक्षा में आपको वीर तुम बढ़े चलो कविता का अर्थ जानना है जो कि इस  प्रकार है------

वीर तुम बढ़े चलो कविता का अर्थ -----
कवि हमारे देश के वीर सिपाही को आगे बढ़ने के लिए कह रहा है |
हाथ में राष्ट्रीय ध्वज लेकर बिना रुके बढ़ते रहो चाहे सामने पहाड़ हो या शेर गरज रहा हो ,बिल्कुल डरो नहीं, डटकर सामना करो और आगे बढ़ो ,चाहे बादल बादल गरज रहे हो चाहे बिजलियां कडक रही हो |सुबह हो या रात ,कोई साथ में हो या ना हो ,सूर्य और चंद्रमा के समान आगे बढ़ते रहो |

इस कविता से यह शिक्षा मिलती है कि हमारे राह में चाहे लाख मुसीबतें क्यअॅ ना आए हमें उसका डटकर सामना करना चाहिए |

बच्चअॅ ,दी गई अध्ययन -सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में उतारे तथा समझने का प्रयास करें |